an>

Title: Regarding providing minimum support price to the farmers of Punjab by the government and the payment of balance due to them.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : मैडम, मैं आपका बहुत ही आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अगर पंजाब की बात करें, खेती-बाड़ी की बात करें तो समझा जाता है कि पंजाब सबसे खुशहाल स्टेट है। मंत्री जी उठकर चले गए हैं। अगर वे रहते तो बहुत अच्छा होता, उन्होंने पहले भी जवाब दिया है। पंजाब में हो क्या रहा है। अगर आंकड़ों की बात करें तो जनवरी से मार्च तक 56 खुदकुशी हो गई। अगर अप्रैल की बात करें तो एक अप्रैल से 26 अप्रैल तक 39 खुदकुशी पंजाब में हो चुकी हैं। गांव में मौत मंडरा रही है। उसके पीछे बाकी कारण तो हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण क्या है। यहां मंत्री जी श्री वैंकैय्या नायडू बैठे हुए हैं। चंदूमाजरा साहब हैं और वहां अकाली दल की सरकार है। ये मेरी बात मानेंगे कि केन्द्र सरकार का आरबीआई ने जो पैसा देना होता है, किसान के पास फसल ही है, उसकी और कोई कमाई नहीं है। सरकार ने एमएसपी का पैसा देना है, कोई और पैसा नहीं है। अगर मैं बात करूं, पिछली पैंडी, राइस, गेहूं से पहले, जो फसल थी, उसमें पांच हजार करोड़ रुपये जो अक्टूबर में मिलने चाहिए, वह फरवरी में मिले। 110 लाख मीट्रिक टन गेहूं मंडी में आ चुकी है। उसके 21 हजार करोड़ रुपये बनते हैं, लेकिन अभी तक 5,908 करोड़ रुपये मिले हैं। यह भी कई महीने लेट हो जाएगा। किसान या आड़तियों ने बैंक से जो पैसा लिया हुआ है, वह लगातार बढ़ रहा है, चल रहा है। चार-पांच महीने से पहले सीजन का पैसा नहीं मिला, अब नहीं मिला तो किसान कहां जाएगा। उसने बच्चों की फीस देनी है। उसने जो लोन लिया है, वह देना है। केन्द्र सरकार की पंजाब से क्या दुश्मनी है, यह बता दें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कोई दुश्मनी नहीं होती।

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह : फिर पैसा क्यों नहीं जा रहा है। एमएसपी का पैसा है। यहां चंजूमाजरा जी बैठे हुए हैं। मंत्री जी बैठे हुए हैं। इसका जवाब जरूर चाहिए।...(व्यवधान) अगर जान चाहिए तो हम दे देते हैं, किसानों की जान मत लीजिए। पंजाब वाले बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)